

SHRI JYOTIRMOY BOSU: Then, I ask for leave of the House to move my adjournment motion. Sir, I go by your utterances. You want me to move it.

MR. SPEAKER: When I made the observations, they were to help you. You do not appreciate. The other or the negative side is, I allow it.

You have enough opportunities. The Appropriation Bill will be coming. Today the Home Ministry demands are there. You can take advantage of that also. But if you still insist, I do not come in.

SHRI ATAL BIHARI VAJPAYEE: As the House is going to discuss the demands of the Ministry of Home Affairs and we do not have enough time, I will request my friend, Mr. Jyotirmoy Bosu, not to press for it.

SHRI JYOTIRMOY BOSU: I am guided by the desires of the House.

श्री मधु लिमये : अध्यक्ष महोदय, एक मेरी प्रार्थना है आप सुनिए। प्रिविलेज का मैंने जो नोटिस दिया है मुझे पता चला है कि आपने अभी उसे पढ़ा नहीं है...

अध्यक्ष महोदय : मैंने देखा है।

श्री मधु लिमये : मैं दूसरी बात कह रहा हूँ। आप उसे पढ़ लीजिये। कल उसको मैं उठा सकता हूँ। लेकिन मेरी प्रार्थना केवल यह है कि जिस अफसर के खिलाफ मैंने यह विलेज प्रमोक्शन दिया है वह कल से प्राई० प्रो० सी० का चीयरमेन बनने जा रहा है तो जब तक प्रिविलेज के मामले का निर्णय नहीं हो जाता तब तक क्या आप पैट्रोलियम मंत्रालय से कहेंगे कि उस समय तक उसे नये पद पर

न बैठाए ? यह सदन की गरिमा और सदन के अधिकारों की बात मैं कर रहा हूँ। मैं कल उठाने के लिए तैयार हूँ लेकिन यह कीन सी बात है कि जो अधिकारी सदन के अधिकारों और उसकी मर्यादाओं का उल्लंघन करे उसे पदोन्नत दी जाये ? क्या यह मामला एक सप्ताह तक रोका नहीं जा सकता जब तक कि आपका फैसला न हो जाये ?

अध्यक्ष महोदय : बात यह है कि जो प्रिविलेज मोशन आप ने दिया है वह यह है कि एक पब्लिक अडरटेकिंग...

श्री मधु लिमये : अब आप सवस्टैंस में जायेंगे तो मुझे उसके बारे में कुछ कहना पड़ेगा।

अध्यक्ष महोदय : वह जो रिपोर्ट है उस वक्त की वह जरा मं देखना चाहता हूँ। क्यों रिपोर्ट का पार्ट आपने कोट किया है।

श्री मधु लिमये : नहीं, नहीं, आप उसे पूरा देखिये। मैं तो खुद नहीं चाहता कि झूठी बात सदन के सामने आए। लेकिन मेरी प्रार्थना है कि जब तक आप उस पर निर्णय न कर लें तब तक किसी और पद पर जाकर बैठे यह कि बात नहीं है।

MR. SPEAKER: It was also on the thin line. So, I wanted to have time.

12.08 hrs.

PAPERS LAID ON THE TABLE

ANNUAL ADMINISTRATION REPORT OF  
DDA FOR 1972-73

THE MINISTER OF PARLIAMEN-  
TARY AFFAIRS (SHRI K. RAGHU  
RAMAIAH): On behalf of Shri Bhola  
Paswan Shastri; I beg to lay on the  
Table a copy of the Annual Adminis-  
tration Report (Hindi and English  
versions) of the Delhi Development  
Authority, for the year 1972-73, under  
section 26 of the Delhi Development  
Act, 1957. [Placed in Library. See  
No. LT-6847/74].